क. **परमेश्वर और सृष्टि**

- **एक परिपूर्ण सृष्टिकर्ता**
  - सृष्टि परमेश्वर की कई विशेषताओं को प्रकट करती है:
    (1) *एक शक्तिशाली परमेश्वर:* उसने कहा, और सब कुछ परिपूर्ण बनाया गया था (उत्पत्ति १:३, ६, ९, ११, १४, २०, २४; भजन संहिता २९)।
    (2) *एक प्रतिबद्ध परमेश्वर:* वह दूर नहीं था, लेकिन अपनी रचना के करीब आया, उससे बात की और उसे स्पर्श किया (उत्पत्ति १: २८-३०; २: ७)।
    (3) *एक व्यवस्थित परमेश्वर:* उसने अनियमित रूप से सृष्टि नहीं की। प्रत्येक रचनात्मक कार्ये ने अगले कार्ये के लिए रास्ता तैयार किया, जब तक कि पूरा न हो गया (अय्यूब ३४:१३)।
    (4) *एक रचनात्मक परमेश्वर:* एक रचनात्मक परमेश्वर: उसने सब कुछ एक ही रंग या आकार में नहीं बनाया, लेकिन "जाति-जाति के अनुसार।" हर जीव अलग है (उत्पत्ति १:२१, २४)।
    (5) *एक रिश्तों का परमेश्वर:* परमेश्वर ने मनुष्यों के और अन्य जीवित प्राणियों के बीच एक संबंध स्थापित किया। वह "बगीचे में चलता था" (उत्पत्ति १:२८; ३: ८)।

- **एक परिपूर्ण संसार**
  - परमेश्वर सृष्टि सप्ताह के दौरान अपनी सृष्टि की समीक्षा कर रहा था, और उसने पुष्टि की कि सब कुछ "अच्छा" था (उत्पत्ति १:१०, १२, १८, २१, २५)।
  - परमेश्वर अपनी सृष्टि से संतुष्ट था। सब कुछ सुंदर और कार्यात्मक था, उत्कृष्ट रूप से बनाया गया, व्यावहारिक और जीवन और रंग से भरा हुआ।
  - इतने सुंदर उपहार का लाभार्थी कौन हैं? हम हैं। हजारों साल तक बिगड़ने के बाद भी, हम अभी भी सृष्टि के चमत्कार देख सकते हैं और यह कह सकते हैं: हमारा परमेश्वर कितना महान है!

- **एक परिपूर्ण भंडारी**
  - परमेश्वर ने परिपूर्ण भंडारी को सृष्टि सौंपी: मानवता को।
  - उसने उन्हें जानवरों और प्रकृति के स्वामी और देखभाल के रूप में नियुक्त किया (उत्पत्ति १:२८; २:१५).
  - पाप ने इस जिम्मेदारी को नहीं बदला। हम अभी भी जानवरों और प्रकृति सहित सृष्टि को बनाए रखने और देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं।

ख. **टूटे रिश्ते**

- **मानवता और पृथ्वी**
  - बाकी सृष्टि के विपरीत, आदम और हव्वा को नैतिक क्षमता दी गई थी, ताकि वे अपने फैसले खुद कर सकें।
  - यह क्षमता अन्य प्राणियों को दी गई थी जिन्हें परमेश्वर ने पहले बनाया था, जैसे की स्वर्गदूत। लूसिफ़र ने इस स्वतंत्रता का उपयोग परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह करने के लिए किया, और उसने अपने इस विद्रोह को नव सृजित दुनिया में फैलाने का निर्णय लिया।
  - आदम और हव्वा ने शैतान के आग्रह को स्वीकार कर लिया, इस प्रकार परमेश्वर के साथ, एक दूसरे के साथ, और जानवरों और प्रकृति के साथ उनका रिश्ता टूट गया (उत्पत्ति ३:८, १२, १८; ९:२)।

- **मानवता और उनके पड़ोसी**
  - परमेश्वर ने सभी मनुष्यों को बनाया है (अय्यूब १०: ८-१२)। हर कोई परमेश्वर की सृष्टि है और हमारी देखभाल और सम्मान का हकदार है।
  - प्रत्येक व्यक्ति को यह जानने का अधिकार है कि परमेश्वर उससे प्यार करता है, उसके बलिदान और उनके लिए उसके द्वारा तैयार की गई विरासत के बारे में जानने के लिए भी।
  - उसने हमें उसके अन्य प्राणियों की देखभाल करने के लिए भी कहा। हम अपने भाई-बहनों के रखवाले हैं।